एल्वीओलर बोन ग्रैफ्ट

पहले

बादमे

राइनोप्लास्टी (नाक सर्जरी)

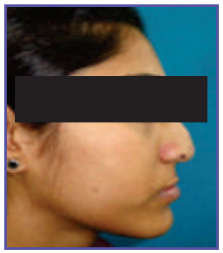

पहले

बादमे

ब्डै अस्पताल अहमदाबाद का एक प्रमुख मल्टी–स्पेशियलिटी अत्याधुनिक अस्पताल है।

अस्पताल हमारी बहु–अनुशासनात्मक दृष्टिकोण के साथ फांक बच्चों को व्यापक उपचार प्रदान करता है जिस टीम में शामिल है

- मैक्सिलोफेशियल सर्जन
- पेडीयाट्रीशियन
- पेडीयाट्रीक एनेस्थेटिस्ट
- पेडीयाट्क डेंटीस्ट
- ओथडोन्टीस
- स्पीच थेरपीस्ट
- ऑडियोलॉजिस्ट
- जेनेटिक काउंसलर
- नर्सिंग स्टाफ
- सामाजिक कार्यकर्ता

हमारा लक्ष्य – बच्चे और परिवार के साथ मिलकर काम करना सर्वोत्तम संभव परिणाम प्रदान करना और बच्चे कें जिवन की गुणवत्ता में सुधार करना।

डॉ अंकिता मिधा

MDS, FAM, Fellowship in Cleft & Craniofacial Surgery

Consultant Cleft, Faciomaxillary and Aesthetic Surgeon

मो +91 8469644089

ankita.midha@cims.org

डॉ परवीन चन्दाराना

BDS, Director - CIMS Dentistry

इम्प्लांट्स और कार्डियक दंत चिकित्सा में विशेषज्ञ

डॉ चांदनी पटेल

BDS, Consultant Dental Surgeon

कॉस्मेटिक दंत चिकित्सा में विशेषज्ञ

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

सीम्स अस्पताल

रजी. ओफिस : प्लोट नं. **67/1**, पंचामृत बंगलो के सामने,

शुकन मोल के पास, सायन्स सीटी रोड, सोला, अहमदाबाद - **380060.**

फोन : **+91-79-2772 2771-75** फेक्स : **+91-79-2771 2770**

अपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-2772 1008

मोबाईल : +91-98250 66661 ईमेल : opd.rec@cimshospital.org

24 X 7 मेडीकल हेल्पलाईन +91-70 69 00 00 00

सीम्स अस्पतालकी अेप्लीकेशन उपलब्ध है।

Google play | App Store

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000

सीम्स दंत चिकित्सा

फटे होंठ और तालू

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

यह क्या है?

क्लेफ्ट लिप और पैलेट नवजात शिशुओं में पाए जाने वाले सबसे आम जन्म दोषों में से एक है। इस दोष से प्रभावित बच्चे को उसके ऊपरी होंठ या ताल या दोनों में चीरा होता है, जो नाक तक बढ़ सकता है। यह अनुमान लगाया गया है कि भारत में 35,000 बच्चे हर साल क्लिफ्ट के साथ पैदा होते हैं और इनमें से लगभग 3500 क्लीफ्ट शिशु गुजरात में पैदा होते हैं।

ऐसा क्यों होता है?

यह गर्भावस्था के दौरान आनुवांशिक कारकों के संयोजन और विभिन्न पर्यावरणीय कारकों के संपर्क के कारण होता है:

- पोषण की कमी – फोलिक एसिड की कमी
- कुछ दवाएं – जैसे एंटीकोनवल्सेंट ड्रग्स इत्यादि।
- शराब या धूम्रपान से संपर्क
- वायरल संक्रमण या विषाक्त पदार्थ

यह बच्चे को कैसे प्रभावित करता है?

परिणाम निम्नानुसार हो सकता है:

- कॉस्मेटिक विषमता
- भोजन को खिलाने और निगलने में कठिनाई
- कुपोषण
- बार–बार श्वसन पथ मे संक्रमण
- कान में संक्रमण और बधिरता
- वाणी समस्याएं
- दंत समस्याएं

बच्चा सामाजिक और मनोवैज्ञानिक समस्याओं से भी पीड़ित होता है जैसे:

- आत्मविश्वास की कमी, कम आत्म सम्मान
- उसी आयु वर्ग के बच्चों की ओर से उपेक्षा
- सामाजिक सभाओं, स्कूल मे उपस्थिति से बचना
- जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करता है

क्या उपचार उपलब्ध है?

क्लेफ्ट होंठ और पैलेट पूरी तरह से सुधार योग्य विकृति है और सर्जरी उपचार का एकमात्र विकल्प है

- सर्जरी उपचार का एकमात्र विकल्प है
- सर्जरी काफी सुरक्षित है और सामान्य संज्ञाहरण की आवश्यकता है।
- सर्जरी में बहुत कम समय लगता है, लगभग 45 मिनट से 1 घंटे की प्रक्रिया
- रिकवरी के लिए अस्पताल में 1 से 2 दिनों की छोटी अवधि तक रहना आवश्यक है।

बच्चे को विभिन्न चरणों में कई सर्जरी की आवश्यकता होती है

- क्लेफ्ट लिप – 4 से 6 महीने की आयु
- क्लेफ्ट ताल – 9 से 12 महीने की आयु

अतिरिक्त सर्जरी, जो आवश्यक हो सकती है

- एल्वीओलर बोन ग्राफ्टिंग – 7 से 9 साल की उम्र
- ऑर्थोगनेथिक / डिस्ट्रेक्शन (बोन सर्जरी) – 14 से 16 साल की आयु
- राइनोप्लास्टी – 16 साल की आयु

संबंधित लक्षण के लिए स्पीच थेरेपी या डेंटल केअर जैसे अन्य उपचार की आवश्यकता हो सकती है।

यूनिटेरियल क्लीफ्ट लीप

पहले

बादमे

क्लेफ्ट पैलेट

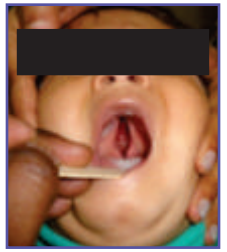

पहले

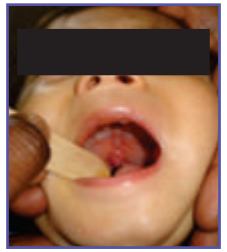

बादमे

बिलेटरी क्लेफ्ट लीप

पहले

बादमे